सूर्य का प्रकाश

मकर संक्रान्ति के उपलक्ष्य में

सीधे वीडिओ प्रसारण द्वारा सिद्धयोग सत्संग

१४ जनवरी, २०२६

१४ जनवरी, २०२६

आत्मीय पाठक,

वर्ष २०२६ का नया-नयापन, इसकी ताज़गी, यहाँ श्री मुक्तानन्द आश्रम में अब भी चमचमा रही है, जहाँ हमारी परमप्रिय श्रीगुरु निवास कर रही हैं। ताज़ी गिरी बर्फ़ इस बात की पुष्टि करती है कि हम अपने अन्दर इस उत्कृष्टता को, नएपन के इस भाव को बनाए रखें। इससे मेरा क्या तात्पर्य है? तो बात ऐसी है कि एक ओर तो बर्फ़ उन लोगों के लिए परिश्रम को आवश्यक बना रही हो सकती है जिन्हें अपने मार्ग को स्वच्छ करना ही है। दूसरी ओर, यह स्वच्छ-निर्मल बर्फ़ प्रकृति का वह माध्यम भी है जिसके द्वारा वह अपने वैभव के साथ हमें जोड़े रखती है।

तो, एक सिद्धयोगी के लिए *सबसे अधिक* वैभवपूर्ण क्या है? मेरे विनम्र विचार में, वह है, सिद्धयोग सत्संग। जब भी मैं सुनती हूँ कि सत्संग होने वाला है तो मेरा हृदय आनन्द से झूम उठता है। इस वर्ष, १ जनवरी को हमने सत्संग की गहन शक्ति की अनुभूति की। और अभी, इसी क्षण मैं आपको बताना चाहती हूँ कि यदि आपके पास समय हो तो मकर संक्रान्ति के उपलक्ष्य में, श्रीगुरुमाई के साथ सत्संग में भाग लेने हेतु आपका हार्दिक स्वागत है।

भले ही यह कम समय में दी गई सूचना है, पर गुरुमाई जी ने मुझसे कहा कि चूँकि मैं युवा हूँ तो मैं इस आयोजन को सम्भव बना सकती हूँ!

इस सत्संग का शीर्षक है, 'सूर्य का प्रकाश'। तो हम तैयार हैं—सूर्य के प्रकाश की पूजा करने के लिए, अपनी श्रीगुरु के सान्निध्य में जो हमारे अन्दर के दिव्य प्रकाश को जाग्रत करती हैं।

तारीख़ : बुधवार, १४ जनवरी, २०२६

समय : शाम ८:३० बजे से १०:०० बजे तक, भारतीय समयानुसार और
प्रातः १०:०० बजे से ११:३० बजे तक, न्यूयॉर्क समयानुसार

स्थान : सिद्धयोग वैश्विक हॉल में, सिद्धयोग पथ की वेबसाइट पर सीधे वीडिओ प्रसारण के माध्यम से

आदर सहित,
भानु डेम्बर्ग
लाइव ईवेन्ट्स् विभाग प्रमुख

© २०२६ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।